

कमाना ही हमारा एकमात्र उद्देश्य नहीं है। हमारा उद्देश्य यह है कि विदेशी पर्यटकों से इस देश की संस्कृति और इतिहास के बारे में जानने की जिज्ञासा हो, और इसलिए हम उन्हें इस देश का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित करेंगे। यह भी जरूरी नहीं है कि केवल एफ्लुएंट टूरिस्ट ही हमारे देश में आयें। हम चाहते हैं कि कम खर्च करने वाले पर्यटक भी हमारे देश में आयें। हम कोशिश करेंगे कि अनेक देशों में हमारे देश के बारे में जो शलत धारणा है, वह दूर हो।

श्री बीरेन्द्र प्रसाद : बिहार में राजगीर एक प्रसिद्ध पर्यटन केन्द्र है, जहाँ हर वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं। श्री मोरारजी देसाई उसकी डेवेलपमेंट कमेटी के चेयरमैन रह चुके हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार राजगीर के विकास के लिए कोई योजना बनायेगी।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहाँ तक राजगीर, नानन्दा और बोध गया आदि टूरिस्ट सेंटरों का सम्बन्ध है, हम उनके समुचित विकास के लिए मास्टर प्लान बना रहे हैं।

श्री शरद थावर : मध्य प्रदेश में जबलपुर के समीप मेड़ाघाट प्राकृतिक सौन्दर्य के सम्पन्न एक स्थान है, जहाँ देश-विदेश के हजारों पर्यटक आते हैं। वहाँ दस मील तक संगमरमर की सृष्टि फैली हुई है। उसने विकास के लिए पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया, और इस सरकार ने भी अभी तक कोई काम नहीं किया है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार उसका एक पर्यटन-केन्द्र के रूप में विकास करने के लिए कोई कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : मेड़ाघाट के बारे में मैं निजी तौर पर जानता हूँ, क्योंकि मैं उसी प्रदेश से आता हूँ। यदि उसका विकास किया जाय, तो वह एक महत्वपूर्ण

पर्यटन-केन्द्र बन सकता है। राज्य सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया। मैं माननीय सदस्य के सुझाव को ध्यान में रखते हुए पूरी कोशिश करूँगा कि उसको विकसित किया जाय।

Reduction in rate of interest to be paid to depositors of Foreign Banks

+

*689. SHRI SHIV SAMPATI RAM:

SHRI KACHRULAL HEMRAJ JAIN:

Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state whether the foreign banks have announced a reduction in the rate of interest to be paid to their depositors?

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL): The changes effected by the branches of foreign banks operating in India in the rates of interest paid on deposits are in accordance with the directive of the Reserve Bank of India to the scheduled commercial banks on this subject which is also applicable to the branches of the foreign banks operating in India.

श्री शिव सम्पति राम : इस बात की क्या गारंटी है कि विदेशी बैंक इस निदेश का पूरी तरह पालन करेंगे? इस बारे में सरकार क्या कार्यवाही करना चाहती है? गैर-समुचित बैंकों पर रिजर्व बैंक के निदेश क्यों लागू नहीं होते? अगर ये नहीं लागू होंगे तो हमारे यहां का रुपया बाहर जाने का भ्रमणा है। सरकार की इसके बारे में क्या राय है?

SHRI H. M. PATEL: Sir, there is no question about the foreign banks not carrying out the directives of the Reserve Bank in this matter. They are fully carrying them out.

श्री शिव सम्प्रति राय : गैर-अनुसूचित बैंकों पर रिजर्व बैंक के निदेश क्यों नहीं लागू होते ?

SHRI H. M. PATEL: Sir, all the banks—even the non-scheduled banks—are required to carry out the directives of the Reserve Bank of India.

श्री कचदलाल हेमराज जैन : मैं वित्त मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि भारत में कितने गैर-अनुसूचित बैंक हैं ? अनुसूचित तथा गैर-अनुसूचित बैंकों में क्या अंतर है ? क्या यह सच नहीं है कि गैर-अनुसूचित बैंक बड़े बड़े उद्योगपतियों को ही सहायता देते हैं ? जब कि गैर-अनुसूचित बैंकों पर रिजर्व बैंक के निदेश लागू नहीं होते हैं और इन बैंकों और डाकघरों ने जमा राशियों पर व्याज की दर में कमी नहीं की है तो क्या अधिकतर मध्यम दर्जे के लोग अपने खाते गैर-अनुसूचित बैंकों में ही नहीं खोलेंगे ताकि उनको अधिक व्याज मिले और इस प्रकार यह जमा-राशि सरकारी कार्यों में नहीं लग पाएगी ? इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है जिसमें गैर अनुसूचित बैंकों पर भी कुछ नियंत्रण रखा जा सके ?

SHRI H. M. PATEL: These questions do not relate to the question that has been actually put here which relates to the foreign banks. But I will answer his question. The Reserve Bank's directives do apply even to the non-scheduled banks because the Reserve Bank under the Bank Regulations Act has authority over all banks in this country.

श्री सौम्य राय : ये विदेशी बैंक हर साल बहुत सी विदेशी मुद्रा बाहर भेजते हैं और इनके खिलाफ इसके पहले भी विदेशी मुद्रा

का कानून बंग करने का आरोप धाया था। हम ने अपनी कांग्रेसी सरकार के जमाने में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। क्या आप देश के धन की रक्षा के लिए इन विदेशी बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने की बात सोच रहे हैं ?

SHRI H. M. PATEL: It does not arise out of this.

DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the hon. Finance Minister kindly tell us whether the reduction of interest rate on deposits in foreign Banks is due to less profits shown by the foreign banks because of effecting illegally transfers of large amounts out of the country by showing them as expenses on technical knowhow, head office expenses, etc.? If so, what action is proposed to be taken by the Government in this regard?

SHRI H. M. PATEL: So far as the question of remittances of profits etc. is concerned, these are being looked into and are governed by the regulations already issued by the Government and care is taken to see that no remittance is made which is not in accordance with these directives. If there is any attempt to send out larger sums on account of head office expenses, etc. these are being scrutinised by the Income-tax Department at that time.

SHRI D. N. TIWARY: May I know the extent of reduction in the interest and whether there is a similar reduction in lending rates also, and if so, by how much?

SHRI H. M. PATEL: Yes, there is in fact an attempt at reducing the lending rates. That was one of the reasons why this new interest policy has been announced.

SHRI D. N. TIWARY: What is the extent of reduction?

SHRI H. M. PATEL: On certain medium-term loans, from 15 per cent it has come down to 12½ per cent.

श्री सुशील कुमार धारा : क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि पिछली सरकार ने जब देशी बैंकों का नेशनलाइजेशन किया, तो उसने विदेशी बैंकों का क्या किया ?

SHRI H. M. PATEL: I think it does not really arise out of this

SHRI BASHIR AHMAD: Will the Minister of state whether this reduction of interest of foreign banks will have an impact consequently on the interests of deposits in Indian banks?

SHRI H. M. PATEL: There has been no noticeable effect, but it is too soon to say what the effect will be

Application for Financial Assistance by Jute Mill Owner to I.F.C.I.

*690. **SHRI CHITTA BASU:** Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether any application has been made by any jute mill owner to Industrial Finance Corporation of India for financial assistance to modernise the mills; and

(b) if so, the details of the application mills and the action taken thereon?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

The Industrial Finance Corporation of India have so far received applications from 22 Jute Mill Companies for financial assistance for modernisation and renovation. The details of these applications are given below:—

S. No.	Date of receipt of complete application	Name of Mill Co.	Amount of loan applied for (Rs./lakhs)	Action taken by IFCI
1	2	3	4	5
1.	31-1-77	The Nuddea Mills Co. Ltd.	235.00	Sanctioned.
2.	7-2-77	The Gourepore Co. Ltd.	300.00	Sanctioned.
3.	22-3-77	Juggital Kam'apat Jute Mills Ltd.	240.00	Considered by Advisory Committee (Jute) of IFCI. Yet to be placed before Board for sanction of loan.
4.	6-4-77	National Co. Ltd.	470.00	Do.
5.	29-3-77	Agarpara Co. Ltd.	647.00	Application under process. Site inspection carried out. Likely to be considered by Advisory Committee (Jute) shortly.